1	2	3	4	5
27	7	Reconstruction of bridge in Km. 334/6 on NH. 7.	24.87	6/93
28	7	Reconstruction of bridge in Km. 418/10.	24.29	6/94
29	3	Construction of bridge in Km. 31/3.	23.54	6/94
30	7	Construction of bridge in Km. 384/8	22.98	6/94
31	3	Reconstruction of minor bridge in Km. 392/2.	24.85	6/94
32	3	Bridge at Km. 123/2.	34 42	9/92
33	12	High level bridge in Km. 268/10 including approaches.	22.82	12/92
34	6	Reconstruction of high level bridge in Km. 135/2, 135/6 including approaches.	81.62	9/92
35	6	Reconstruction of high level bridge in Km. 348/4 on NH. 6.	13.00	9/92
36	3	Reconstruction of bridge in Km. 389/8	28.65	12/92
37	3	Reconstruction of high level bridge in Km. 332/4.	11.12	12/92

Prepaid taxi and autorickshaw service

1434. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the scheme of pre-paid taxi and autorickshaw service managed by the Delhi Traffic Police, is not funtioning properly and passengers are still being taken for a ride; and

(b) if so, what steps Government are taking to ensure that taxi and autorickshaw drivers strictly follow the rules and regulations prescribed for the scheme?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सड़कों पर व्यय

1435. **श्री विनोद शर्मा :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सड़कों के निर्माण पर किए जा रहे काम में निरन्तर कमी आती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो पहली और सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कुल बजट आवंटन का कितना प्रतिशत व्यय सड़कों के निर्माण पर व्यय किया गया था;

(ग) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सड़कों के निर्माण और विकास के लिए नियुक्त किए गए कार्यदल ने अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी है; और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि अपेक्षित है और इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर व्यय की जाने वाली निधियों में आमतौर पर हर साल वृद्धि होती रही है। परन्तु कुल योजनागत परिव्यय की तुलना में, व्यय की प्रतिशतता की दृष्टि से, इसमें कमी आई है।

(ख) प्रथम पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग सैक्टर के लिए कुल प्रावधान, कुल योजना का लगभग 6.68% था, जबकि सातवीं पंचवर्षीय योजना में इस के लगभग 2.9% होने का अनुमान है।

(ग) और (घ) सम्भवतः माननीय सदस्य का आशय योजना आयोग द्वारा आठवीं योजना के लिए गठित सड़क संबंधी कार्यदल से है, जिसने अगस्त, 1989 में अन्य बातों के साथ-साथ, 1990–95 तक की पांच वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय और राज्य सैक्टर के सड़क विकास के लिए 32,630 करोड़ रु० के परिव्यय की सिफारिश की थी। तथापि, योजना आयोग ने आठवीं योजना (1992-97) में सड़कों के लिए लगभग 12,833 करोड़ रु० का परिव्यय निर्धारित किया है।

बसों में संपीड़ित प्राकृतिक गैस का प्रयोग

1436. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 4 मई, 1992 के टाइम्स आंफ इंडिया में "सी० एन० जी० में रन बसिज" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो देश में परिवहन के क्षेत्र में संपीड़ित प्राकृतिक गैस के प्रयोग संबंधी योजना का ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां।

(ख) सड़क परिवहन क्षेत्र में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सी० एन० जी०) का उपयोग अभी प्रयोगिक स्तर पर है। प्रारम्भ में सी० एन० जी० का उपयोग मुख्यतः पैट्रोल से चलने वाले वाहनों में किया जाएगा क्योंकि वित्तीय रूप से सी०एन०जी० उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक होगी। पैट्रोलियम मंत्रालय ने प्रस्ताव का प्रथम चरण अनुमोदित कर दिया है जिसके अंतर्गत 220 पैट्रोल चालित वाहनों को प्रायोगिक तौर पर सी०एन०जी० से चलाया जाएगा।

मूल्य के कारण तथा तकनीकी आंकड़ों की अपर्याप्तता के कारण डीजल के स्थान पर सी०एन०जी० का प्रयोग करने के प्रश्न पर और तकनीकी-आर्थिक जांच करने की आवश्यकता है। इस वर्ष, दिल्ली में दिल्ली परिवहन निगम की 5 बसों को प्रयोग के तौर पर सी० एन०जी० डीजल की दुहरी ईंधन विधि से चलाए जाने के लिए परिवर्तित किया जाएगा। मद्रास रिफाइनरीज लिए ने भी प्रयोग के तौर पर 10 बसों को परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है तथा सी एन जी–डीजल दुहरी ईंधन विधि पर पहली बस ने 22–3–92 से प्रचालन शुरू कर दिया। छह और बसों को परिवर्तित कर दिया गया है और वे प्रचालन में हैं।

सड़क परिवहन क्षेत्र में सी एन जी के बड़े पैमाने पर उपयोग की तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता, इन प्रयोगों के तकनीकी और आर्थिक परिणामों पर निर्भर करेगी।

Pending proposals of Andhra Pradesh

1437. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether any proposals have been received from the Government of Andhra Pradesh which are pending for approval;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) at what stage of consideration these proposals stand?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) to (c) A statement is annexed.

Statement

Position of the pending proposals in respect of National Highways, Central Road Fund and Inter-State or Economic Importance Scheme and New National Highways.